

हिमालय में विस्फोटकों के उपयोग में सावधानी ज़रूरी

भारत डोगरा

हिमाचल प्रदेश के किन्नौर ज़िले से प्राप्त समाचारों के अनुसार 14 फरवरी को कडछम वांगतू पनबिजली परियोजना में ब्लास्टिंग के बाद चट्टानें खिसकने से हुई दुर्घटना में 6 मज़दूर मारे गए, 16 घायल हुए।

1000 मेगावाट की यह पनबिजली परियोजना जेपी कंपनी द्वारा एक जनजातीय क्षेत्र में बनाई जा रही है। सुबह के वक्त टापरी के पास एक जगह पर बांध निर्माण कार्य के अन्तर्गत विस्फोट किया गया तो इसमें पूरा पहाड़ दहल उठा। इस विस्फोट से अनेक चट्टानें टूट गईं व नदी की ओर गिरने लगीं। यहां बांध मज़दूरों की अस्थाई बस्तियां बनी हुई थीं। कुछ चट्टानें इस बस्ती पर गिरीं। 12 मज़दूरों ने चट्टानों से बचने के लिए नदी में छलांग लगा दी। उनका कुछ पता नहीं चला। इसके अतिरिक्त 6 मज़दूर मारे गए।

यह घटना अपने में अकेली घटना नहीं है अपितु इस तरह के अनेक समाचार सामने आ रहे हैं कि हिमालय की पहले से ही अस्थिर व संवेदनशील भू-बनावट में विस्फोटकों से भारी तबाही होती है व भूस्खलन या लैण्डस्लाइड का एक सिलसिला आरंभ हो जाता है।

जिस तरह से किन्नौर ज़िले में चट्टानें नदी की ओर लुढ़कीं, उसमें एक संभावना यह भी है कि यह मलबा पहाड़ी नदी के बहाव को रोककर कृत्रिम झील बना दे, जैसी उत्तरकाशी के कनोडिया गांव में कुछ वर्ष पहले बनी थी। ऐसी कृत्रिम झील में एक सीमा तक पानी एकत्र होता रहता है व जब मलबा इस उफनते पानी को नहीं रोक पाता, तो यह एकत्रित जलराशि अचानक अति वेग की बाढ़



बन जाती है जो दूर-दूर तक विनाश कर सकती है।

ऐसे विस्फोटों के कारण अनेक गांव अस्थिर हो जाते हैं व वहां के मकानों में दरारें पड़ जाती हैं। उत्तराखंड के हाल के दौरे के दौरान इस लेखक ने बांध निर्माण में विस्फोटकों के उपयोग के स्थान के नज़दीक अनेक मकान देखे जिनमें दरारें पड़ चुकी थीं। ऐसे कुछ मकान या उनका कुछ हिस्सा कभी भी गिरकर जानलेवा सिद्ध हो सकता है।

जो गांव इन विस्फोटों में कमज़ोर हो जाते हैं उनमें हल्का भूकंप आने पर भी भारी क्षति की संभावना बढ़ जाती है। उत्तरकाशी ज़िले में भूकंप से सर्वाधिक क्षति जामख जैसे गांवों में देखी गई, जिनके पास बांध निर्माण की प्रक्रिया में भारी विस्फोट किए गए थे।

अतः हिमालय जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में बांध या अन्य बड़े निर्माण कार्यों के दौरान विस्फोटकों के उपयोग पर रोक लगनी चाहिए या इसे बहुत नियंत्रित किया जाना चाहिए। (स्रोत फीचर्स)